पर्वाधिराज दशलक्षण पर्व एवं क्षमावाणी हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

मिलपीट्स, अमेरिका

सुभाष जैन, मिलपीट्स । अमेरिका के जैन सेंटर ऑफ नार्थन कैलीफोर्निया द्वारा संचालित जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया । प्रात: अभिषेक, शांतिधारा व पूजन सतना से पधारे पं. मुकेश कुमारजी के निर्देशन में पूर्ण भक्ति भाव से कराया गया । शाम को आरती पश्चात शाम के प्रवचन में समाजजनों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया । 300 से अधिक श्रावकों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया । फैन्सी ड्रेस व भगवान आदिनाथ स्वामी के जीवन पर बहुत ही सुंदर नाटिका का मंचन किया गया । शनिवार के दिन छोटे बच्चों ने सामूहिक पूजन कर जैन परम्परा का निर्वाह किया । अनंत चौदस के दिन भगवान वासुपूज्य स्वामी के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया । देश से दूर बसे समाजजनों ने पूर्ण मनोयोग से पयूर्षण पर्व का आयोजन कर धर्म प्रभावना का बेजोड़ उदाहरण प्रस्तुत कर सभी को अपने देश की यादों से कुछ पल के लिए जोड़ने का प्रयास करा है । पर्यूषण पर्व पश्चात क्षमावाणी पर्व का आयोजन परम्परानुसार मनाया गया जिसमें छोटे बड़ों ने एक दूसरे से क्षमा मांगी ।

लंदन, यू.के.

श्वेता जैन, लंदन । अपने देश से दूर विदेश में रह रहे हमारे जैन बंधुओं ने यहां भी पूरे भक्ति और उल्लास के वातवरण में पयूर्षण पर्व मनाया । लंदन के हौंसलो ईस्ट क्षेत्र में स्थित श्री कैलाशगिरी मंदिरजी में ग्यारह दिनों तक भक्ति की अनवरत धारा बहती रही । प्रात:कालीन अभिषेक, शांतिधारा, पूजन अर्चन में सभी रहवासियों बढ़ चढ़ कर भाग लिया । प्रतिदिन मंदिरजी में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे धार्मिक क्विज़, तंबोला और अनेक प्रकार के गेम्स आयोजित किये गये, जिसमें सबने पूर्ण उत्साह से भाग लिया । क्षमावाणी पर्व के दिन सभी ने परस्पर क्षमायाचना कर पर्यूषण पर्व का समापन किया । यहां कुछ परिवार आसपास रहते है किन्तु कुछ दूर से भी प्रतिदिन मंदिरजी आते है और परस्पर सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में रहते है । यहां बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए पाठशाला भी चलाई जाती है ।

तालबेहट

विशाल जैन पवा, तालबेहट । जैन धर्म के पयूर्षण महापर्व के समापन पर श्रीजी की शोभायात्रा निकालकर एवं क्षमावाणी महापर्व मनाया गया । कस्बे के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर से विमानोत्सव कार्यक्रम में श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी जिसमें केसरिया वस्त्र धारण किये, श्रद्धालु श्रीजी को विमान में विराजमान कर चल रहे थे । सबसे आगे तैलीय चित्रों की झाँकी, डीजे बैण्ड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, सत्य-अहिंसा के नारे लगाते पुरूष वर्ग एवं मंगल गीत गाती हुई महिलाएँ चल रही थी । शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होती हुई पुन: मन्दिर जी पहुँची । ब्रह्मचारिणी डॉ. उर्वशी दीदी के दिशा निर्देशन में कलशाभिषेक फूलमाल के बाद क्षमावाणी का आयोजन किया गया । जिसमें सभी धर्मावलाम्बियों ने गत वर्ष में हुई जानी-अनजानी गलतियों के लिए एक दूसरे से क्षमा माँगी । ब्रह्मचारिणी सुसीमा दीदी ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा की 'क्षमा ' से कलुषित आत्मा पवित्र होती है यह बहुत बड़ा धर्म है जो दान एवं त्याग की श्रेणी में आता है क्षमा माँगने की अपेक्षा क्षमा करना अधिक श्रेष्ठ है । सबसे क्षमा सबको क्षमा । रात्री में शास्त्र प्रवचन के अन्तर्गत दीदी ने कहा कि आत्म तत्व की अनुभूति के लिए हम ब्रह्मचर्य को धारण करते हैं । शील की रक्षा के लिए ब्रह्मचर्य जरूरी है, शीलवान व्यक्ति की देवता भी रक्षा करते हैं, उन्होंने माता सीता का वृतान्त सुनाया एवं बच्चों को शिक्षा से पहले संस्कार देने को कहा । उन्होनें कहा कि सती वह महान है जो सलाह देने में मंत्री के समान, बोलने में दासी के समान, भोजन में माता के समान, क्षमा और सहनशीलता में धरती के समान, पतिव्रता नारी एवं धर्म परायण राजा हमेशा पवित्र होते हैं, धर्म में चारित्र की पूजा होती है रूप की नहीं अत: सदाचार बहुत महत्वपूर्ण है । हमें समय नहीं कर्म काटने के लिए जीवन मिला है अत: हमेशा पुण्य करो । अन्त में विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किये गये एवं प्रश्नमंच का आयोजन किया गया एवं पुरस्कार वितरित किये गये । फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में नीरजा चौधरी प्रथम, संगीता मिठ्ठया एवं शिखा मोदी द्वितीय एवं जूनियर वर्ग में दिव्य राज पर्व राज प्रथम एवं भूमि मोदी-परी मोदी द्वितीय रहे । भजन प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में अंकिता चौधरी, गुनगुन सतभैया प्रथम एवं रोशनी मोदी, दीक्षा चौधरी द्वितीय एवं जूनियर वर्ग में नमन चौधरी प्रथम, वीर मोदी द्वितीय, मिती सिरसा तृतीय रहे । संचालन चौधरी चक्रेश जैन ने व आभार व्यक्त विशाल जैन पवा ने किया । सकल दिगम्बर जैन समाज का सहयोग रहा ।

जबलपुर

अरविंद कुमार जैन, जबलपुर । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पयूर्षण पर्व सानंद संपन्न हुये । नगर के सभी मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, अर्चना, सांध्यकाल में भजन व आरती का कार्यक्रम तत्पश्चात बच्चों के मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत ही अच्छे तरीके से संपन्न हुये । इस वर्ष जूड़ी तलैया जैन मंदिर में आचार्य श्री 108 विमर्श सागरजी महाराज के संसघ सानिध्य में संस्कार शिविर संपन्न हुआ तथा लार्डगंज मंदिर में मुनि 108 विद्यासागरजी महाराज के सानिध्य में सन्मति संस्कार शिविर में शहर एवं अन्य नगरों से पधारे शिविरार्थियों ने भाग लिया गया । गढ़ा पुरवा स्थित जैन मंदिर में आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ससंघ विराजमान है जिनके सानिध्य में दशलक्षण पर्व पर कई कार्यक्रम साआनंद संपन्न हुये । संस्था संरक्षक श्री राजकुमारी जैन द्वारा सायंकालीन प्रवचन मदन महल स्थित आमनपुर जैन मंदिर में दिये गये । पर्यूषण पर्व की समाप्ति के उपरांत मढ़ियाजी क्षेत्र में मेले का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य विमर्श सागरजी महाराज, मुनिश्री विद्यासागरजी महाराज ससंघ एवं 105 सत्यमति माताजी संघ सहित मेले में आशीर्वाद देने पहुंची । आशीर्वाद उपरांत शांतिधारा का कार्यक्रम संपन्न हुआ । प्रत्येक मंदिर में क्षमावाणी पर्व परम्परानुसार मनाया गया जहां एक दूसरे ने अपने मन, वचन, काय से गत वर्षों में हुई गलतियों के लिए क्षमायाचना की । गोलालारीय समाज के सदस्यों द्वारा प्रतिवर्षानुसार अपनी कालोनी के मंदिरों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान देकर पुण्यलाभ कमावा ।

पावागिरी

विशाल जैन पवा । पर्यूषण महापर्व के समापन पर सिद्ध क्षेत्र पावागिरी में क्षमावाणी हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया । सुबह से ही भारी संख्या में धर्मावलंबियों ने पावागिरि पहुँच कर अतिशयवुक्त चमत्कारी बाबा मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी का अभिषेक-शांतिधारा पूजन विधान कर पुण्यार्जन किया । मुख्य कार्यक्रम दोपहर की बेला में पुजारी श्री शिखरचन्द्र जैन गंज बासौदा के दिशा निर्देशन में आयोजित किए गए जिसमें बबीना से पधारे छोटेलाल राजेश कुमार टूंका एवं सुरेश कुमार मगरपुर ने आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र अनावरण कर दीप प्रज्वलित किया । ध्वजारोहण इमरतीबाई कस्तूरचन्द्र ललितपुर ने किया । राजकुमार धर्णेन्द्र खजुराहो, प्रसन्न कुमार अखिलेश गुंदेरा, प्रकाशचन्द्र कुड़ावनी एवं मिठया राजीव कुमार तालबेहट ने कलशाभिषेक और कमल किशोर सुमत कुमार अमित जैन वर्धुवां ने शांतिधारा की क्रियाएं सम्पन्न की । रवेन्द्र कुमार चकरपुर, डॉ. दीपचन्द्र नयाखेडा, अशोक कुमार विरधा एवं रूपचन्द्र जैन गोरा ने छत्र चढ़ाया एवं चंवर डुराये । मूलनायक भगवान के शिखर पर ध्वजारोहण कर डॉ. जयकुमार जैन चकरपुर के परिवार ने मंगल आरती की क्रिया सम्पन्न की । फूलमाल के कार्यक्रम में डॉ. दीपचन्द्र नयाखेड़ा को दर्शनमाला डॉ. सुरेशचन्द्र तालबेहट को ज्ञानमाल, महेन्द्र कुमार चकरपुर व सुनील कुमार चकरपुर को चारित्रमाल भेंट की गयी तत्पश्चात क्षमावाणी का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने गत वर्ष में की गयी गलतियों एवं भूलों के लिए एक दूसरे से क्षमा मांगी । इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि कलुषित आत्मा को पवित्र करने के लिए क्षमा भाव बहुत आवश्यक है जो पर्यूषण पर्व का पहला धर्म है । इस मौके पर शिखरचन्द्र, मिठया संतप्रसाद, चौधरी चक्रेश कुमार, निर्मल कुमार, प्रवीण जैन, उत्तमचन्द्र, आनन्द, वीरेन्द्र कुमार, राजेन्द्र जैन टूंका, अटल जैन नयाखेड़ा, राकेश मोदी सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे । संचालन ज्ञानचन्द्र पुरा ने किया । आभार प्रदर्शन प्रेमचन्द्र नयाखेड़ा एवं जयकुमार कंधारी ने संयुक्त रूप से किया ।

बबीना

विनोद जैन, बबीना । नगर के शान्तिनाथ जिनालय में पर्यूषण पर्व के समापन पर मुनि संस्कार सागरजी महाराज के पावन सानिध्य में भगवान का वार्षिक कलशाभिषेक व शांतिधारा हर्षोल्लासपूर्वक किया गया । मुनि संस्कार सागर जी महाराज के सानिध्य में भगवान पूजन - अर्चन की क्रियायें की । तदुपरांत श्रावक-श्रेष्ठी राजेन्द्र जैन टूंका बालों ने ध्वाजरोहण किया । सुमत जैन बुढ़पुरा, सुरेश कुमार जैन मगरपुर, अटल कुमार नयाखेड़ा ने भगवान की अभिषेक की क्रियायें की । राजकुमार जैन नरेन्द्र कुमार जैन चकरपुर, सन्दीप जैन बिरधा, सुनील कुमार जैन बुढपुरा ने भगवान को चवर डुरावे । प्रेमचन्द जैन नयाखेड़ा ने भगवान की मंगल आरती उतारी । इसके बाद राजेन्द्र कुमार जैन चकरपुर, डॉ. जयकुमार जैन व सुरेन्द्र कुमार जैन चकरपुर, सिंघई कैलाशचन्द्र, आदेश कुमार जैन गेवरा फूलमाल, ज्ञानमाल, चारित्रमाल व क्षेत्रमाल का सौभाग्य प्राप्त किया । मुनिश्री ने कहा कि मौका मिलने पर हमें धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिये एवं पाप कर्म से दूर रहना चाहिये । जिस तरह धूप निकलने पर ओंस की बूँदें समाप्त हो जाती हैं एवं अंजुली का पानी समाप्त हो जाता है, उसी तरह क्षण भर में व्यक्ति का जीवन भी समाप्त हो जाता है इसलिये जीवन में जब भी कभी पुण्य कार्य करने का अवसर मिले, तो उसे छोडना नहीं चाहिये । कार्यक्रम में अनेक समाजजन मौजूद रहे । संचालन पं. विनोद जैन शास्त्री ने किया ।

अहमदाबाद

संजीव जैन, अहमदाबाद । पर्वराज पयूर्षण के मंगल समापन पश्चात गोलालारीय दि. जैन समाज वस्त्राल द्वारा क्षमावाणी पर्व एवं उपवासी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई । कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुमेरचंद जैन ने की । क्षमा पर्व पर वक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए गये । कार्यक्रम मे दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये एवं तपसाधना करने वाले श्रावको श्रीमति कुसुम जैन हरकिशन जी, जिनेश्वरदास जी एवं सोनिया जैन का सम्मान मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया । उपस्थित समाजजनों ने उनके तप की अनुमोदना की । कार्यक्रम के पश्चात वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का संयोजन अरूण कुमार मक्खन लाल, अशोककुमार सेतूलाल, नीलेश कुमार रमेशचन्द्र, नीलेश कुमार प्रदीप कुमार, उमेश कुमार प्रेमचन्द, मनीष कुमार जयकुमार, मनोज कुमार गिलौजीलाल, संजय कुमार, मानक जैन एवं अंजना बेन प्रदीप कुमार द्वारा किया गया । संचालन संजीव कुमार ने किया ।

*** समाज के माननीय सदस्यों से सादर अनुरोध है कि आपके द्वारा गोलालारीय दर्शन पत्रिका में किसी भी मद में आपके द्वारा नगद/चेक द्वारा राशि जमा कराई गई हो (सीधे बैंक खाते में इन्दौर कार्यालय या क्षेत्रीय प्रतिनिधियों) और आपको रकम की रसीद प्राप्त नही हो पाई हैं तो आप हमें 9424013136 पर दोपहर 3 से रात 10 बजे तक सूचित कर सकते हैं ताकि आपको शीघ्र ही रसीद भिजवाने की व्यवस्था की जा सके। गोलालारीय दर्शन में सदस्यता शुल्क का विवरण पत्रिका पर लगे पते के स्टीकर पर उल्लेखित हैं। किसी भी प्रकार के सुधार के लिए आप चर्चा करते समय स्टीकर पर अंकित सदस्यता क्रमांक अवश्य बताएं ताकि उचित सुधार संभव हो सके।**